कुमारियों प्रति....

निश्चय अगर पक्का तो परिवर्तन निश्चित...

सिम्पल लिविंग हाई थिंकिंग

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

गतांक से आगे...

जब हम ज्ञान को धारण करते हैं तो कुछ धारणायें, कुछ नियम, कुछ मर्यादायें हम अपने जीवन में अपनाते हैं। पहला नियम, मर्यादा हमने पिछले अंक में बताया था दिनचर्या। अभी दूसरा है आहार-विहार में परिवर्तन। क्योंकि ये सारी चीज़ें मन को परिवर्तन करने वाली हैं। आपका खान-पान शुद्ध बनना चाहिए। फिर किसी के भी संग में यहाँ-वहाँ-कहाँ भी खाते रहो ऐसे तो एकाग्रता नहीं बनेगी। क्योंकि जो स्वाद को नहीं जीत सकते वो विकार को क्या जीतेंगे! अगर खुद बनाना नहीं आता तो सीखना चाहिए। क्योंकि अन्न का मन पर बहुत असर पड़ता है। योगी जीवन जीना है तो बाबा ने शुद्ध अन्न खाने के लिए कहा है, फिर ऐसे नहीं हम मशीन मेड ढूंढते रहें। हमें योग मेड खाना है या मशीन मेड?

तीसरा विहार चेंज- विहार माना कहाँ-कहाँ आप घूमते हो, कैसे-कैसे स्थानों पर जाते हो वहाँ वायुमण्डल का भी असर होता है। अगर लक्ष्य है भगवान के ज्ञान में चलना है और फर्स्टक्लास चलना है और क्वालिटी ब्रह्माकुमारी जीवन जीनी है तो गंदे बॉडी कॉन्शियस बनाने वाले स्थानों में नहीं जाना चाहिए। सिनेमा में, क्लबों में, पार्टियों में, आजकल तो क्या-क्या व्यसनों में, क्या-क्या होटलों में करते हैं। हमें सावधान रहना चाहिए। फ्रैंडशिप का मतलब ये नहीं है कि वो जहाँ लेकर जाये आप वहाँ चले जाओ। फ्रैंडशिप वो है जिसमें कल्याण हो मेरा भी और दूसरे का भी।

चौथा पहरवाइश। कैसे हम ड्रेसअप होते हैं। बाबा ने सदा हम बच्चों को सिखाया है कि नाति महंगा, नाति सस्ता बीच का जीवन हो, ये बाबा की व्याख्या है। बहुत हल्का नहीं बहुत महंगा नहीं। ज्ञान मार्ग में चलना, योगी मार्ग में चलना, पहला ही लक्ष्य आत्मभिमानी बनना है। देह भान भूलना है तो बॉडी कॉन्शियस बनाने वाले ड्रेस नहीं, बॉडी कॉन्शियस बनाने वाले मेकअप नहीं। ऐसे बाल नहीं जो दस बार ठीक करने पड़ें और दस बार बुद्धि उसमें जाये। ये योगी जीवन की डिसिप्लिन है बहनों। लगना चाहिए ये आध्यात्मिक लोग हैं। पढ़ी है ना जीवन कहानी बाबा की! कितना कुछ हुआ, पिकेटिंग हुई, धरना हुआ समाज का। इतने छोटे-छोटे जो आज हमारी दादियां हैं वो भी विचलित नहीं हुए। इसलिए बाबा ने हम ज्ञानी आत्माओं के लिए, योगी आत्माओं के लिए सादा, सरल, सात्विक जीवन और व्यवहार कहा है। सिम्पल लीविंग, हाई थिंकिंग गांधी जी कहते थे। बाबा ने हाई थिंकिंग बना दिया तो प्रैक्टिकल लिविंग सिम्पल होना ही चाहिए। बाबा कई बार कहते थे कि संगमयुग में कन्या बनना भाग्य की निशानी है और उसमें भी काली कन्या बनना सौभाग्य की निशानी है क्योंकि किसी की बुद्धि देह में नहीं जायेगी। इसलिए काले हैं तो क्या हुआ दिल वाले हैं। दिल सच्ची बाबा से है तो कभी भी अफसोस नहीं करो, सुन्दर हो तो सावधान रहो, शक्तिशाली बनो। अगर आप घर में हैं और ड्रेस में हैं तो आपकी आध्यात्मिकता और ज़्यादा शक्तिशाली चाहिए। जब तक आप घर में हैं तो आप दुनिया में बैठे हैं। आपको और ही यही ड्रेस पहनना चाहिए।

> हम हर बात को समझें। समय को, बाबा को, लाइफ को, सत्य को, धारणाओं को समझें इतना कि हम मजबूत रहें उसमें। फिर कोई तकलीफ ही नहीं है, कोई क्या कर रहा है, कोई कैसा व्यवहार कर रहा है, कोई चीज़ें तकलीफ देती ही नहीं।

संग भी हम ज्ञानी आत्माओं का कैसा होना चाहिए, जो हमें और तीव्र पुरुषार्थी बनाये ऐसा। जो हमें और पक्का ज्ञानी बनाये। हमें लक्ष्य से कमज़ोर बनाये, अपने आप में फंसाये ऐसा संग नहीं करना है। इसलिए ज्ञान इतना अच्छा स्टडी करो कि परख सकें हमारे सम्पर्क में आने वाले व्यक्ति की दृष्टि-वृत्ति क्या है। इसलिए दादियां कहती हैं कि समर्पण होने की बात नहीं है योग्य बनने की बात है। समर्पण हो गये पर योग्य नहीं हैं, हम आदर्श नहीं है तो फायदा क्या! तो समर्पण की बात नहीं है। लायक बनना है।

बाबा हम कुमारियों से अपना कार्य कराना चाहते हैं। इसलिए यज्ञ में कुमारियों की आवश्यकता है। जैसे दुनिया में जिस चीज़ की ज़्यादा डिमांड हो तो वो बहुत महंगी होती जाती है, तो हम भी महंगे हो रहे हैं। क्योंकि हमारी डिमांड ज़्यादा है बाबा को। हमें अपना समय, सकंल्प बाबा के कार्य में लगाना है और बाबा के कार्य में नहीं लगायेंगे तो कहीं तो लगेगा ही। हमें कुदरती बहुत सात्विक मन मिला हुआ है। स्त्री तन में जो आत्मायें हैं वो सात्विक मन है। बाबा कहते हैं ना कि तुम्हारा बाबा की याद में रहना भी योगदान करना है। घर वाले कहें कि हमारे घर में ये योगी आत्मा है।

मैं चाहती हूँ कि हम कुमारियां सेंसिबल बनें। हम हर बात को समझें। समय को, बाबा को, लाइफ को, सत्य को, धारणाओं को समझें इतना कि हम मजबूत रहें उसमें। फिर कोई तकलीफ ही नहीं है, कोई क्या कर रहा है, कोई कैसा व्यवहार कर रहा है, कोई चीज़ें तकलीफ देती ही नहीं। सच्चे ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारी बनकर अपनी नींव मजबूत बनाएं। अपने आप ताकत आती है, फिर सेवा में, संगठन में आने वाली कोई भी परीक्षा भारी नहीं लगती।

हल्द्वानी-उत्तराखंड। एमबी इंटर कॉलेज युवाओं द्वारा आयोजित व्यसनमुक्ति जनजागृति अभियान कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी बहनों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के पश्चात् अजय भट्ट केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं पर्यटन राज्य मंत्री को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नीलम बहन, ब्र.कु. नीमा बहन तथा ब्र.कु. माया बहन।

हाथरस-उ.प्र.। जिला प्रशासन के निमंत्रण पर ब्र.कु. सीमा बहन एवं अन्य ब्र.कु. बहनों ने लक्खी मेला श्री दाऊजी महाराज हाथरस के मेला पंडाल में आये मुख्य अतिथि राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा का पुष्प भेंट कर एवं आत्म स्मृति का तिलक लगाकर स्वागत किया। साथ ही उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित भी किया। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष, सांसद राजवीर दिलेर, हाथरस सदर विधायक बहन अंजुला माहौर, सादाबाद विधायक प्रदीप चौधरी, सिकन्दरा राऊ विधायक राणा जी, जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय, डी.एम. साहब, ए.डी.एम. साहब सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सफीदों-हरियाणा। सेवाकेन्द्र के संजय रोज़ गार्डन में शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. सुनीता दीदी, ब्र.कु. स्नेह बहन, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रेज़िडेंट हवा सिंह खैनची, गुरु गोविंद सिंह स्कूल के प्रिंसिपल गुलाब सिंह तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

बहल-मंढोली कलाँ(हरियाणा)। शिक्षक दिवस पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंढोली कलाँ में स्कूल स्टाफ को सम्बोधित करने के पश्चात् प्रिंसिपल सनील कुमार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए बहल सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शकुन्तला बहन व ब्र.कु. पूनम बहन।

मऊ-उ.प्र.। आध्यात्मिक चर्चा के पश्चात् समूह चित्र में जेल सुपरिंटेंडेंट नागेश जी व डिप्टी जेलर के साथ ब्र.कु. विमला दीदी, एडवोकेट ब्र.कु. ओमप्रकाश तथा ब्र.कु. पंकज।

रुदावल-भरतपुर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'कल्प तरु' प्रोजेक्ट के तहत उप तहसील में आयोजित कार्यक्रम में पौधारोपण करते हुए तहसीलदार अशोक कुमार, पटवारी चन्द्र हंस, उप सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुनीता बहन तथा ब्र.कु. पूजा बहन।

शांतिवन-आबू रोड। संस्थान के मनमोहिनीवन परिसर में प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन में राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी,चेयर पर्सन,प्रशासक सेवा प्रभाग,दिल्ली एनसीआर, राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई,संस्थान के अति. महासचिव, राजयोगिनी ब्र.कु. अवधेश दीदी,नेशनल कोऑर्डिनेटर प्रभाग भोपाल, राजयोगी ब्र.कु. हरीश भाई,मुख्यालय संयोजक,प्रभाग, सीताराम मीणा,रिटा. आईएएस मोदीनगर उ.प्र., दिनेश कुमार थापलिया,चीफ इलेक्शन कमिश्नर नेपाल, रंजन कुमार दास,आईएएस,डायरेक्टर कल्चर डिपार्टमेंट गवर्नमेंट ऑफ ओडिशा भुवनेश्वर, राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. रीना बहन,ज़ोनल कोऑर्डिनेटर प्रभाग भोपाल, कुंजी लाल मीणा,आईएएस,प्रिंसिपल सेक्रेट्री,अर्बन डेवलपमेंट एंड हाउसिंग डिपार्टमेंट जयपुर राजस्थान, धनंजय हेंब्रम,आईएएस सेक्रेटरी आरडीसी सेंट्रल डिविज़न कटक ओडिशा, रानू मुखर्जी,कमिश्नर इनकम टैक्स नई दिल्ली सहित भारत एवं नेपाल से लगभग 550 प्रशासकों एवं प्रबंधकों ने शामिल होकर कार्यक्रम का लाभ लिया।

बल्लभगढ़ से.2-फरीदाबाद(हरियाणा)। आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत विशाल तिरंगा रैली निकाली गई। इस दौरान डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता,प्रिंसिपल,अग्रवाल कॉलेज, दीपक प्रशांत,वाइस प्रेसिडेंट,रोट्री ब्लड बैंक, दीपक यादव,पार्षद,नगर निगम, ब्र.कु. सुशीला दीदी, ब्र.कु. उषा दीदी, ब्र.कु. अनुसुइया दीदी तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

बड़ा अखाड़ा-हजारीबाग(झारखण्ड)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शिक्षक दिवस पर वर्तमान एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. हर्षा बहन, सेवानिवृत्त शिक्षिका माधुरी प्रसाद, जया श्रीवास्तव विवेकानंद स्कूल, स्वाति देवी डीएवी स्कूल, आरएनएम कॉलेज हंटरगंज की प्रोफेसर पूजा सिंह, सेवानिवृत्त शिक्षिका उषा राणा आदि अनेक शिक्षकों सहित 150 लोग उपस्थित रहे।